

श्री:

# शृङ्गारलतिकासौरभ

रचयिता

सरकोब सरकशान, राजैराजगान,

महाराज सर मानसिंह बहादुर, “द्विजदेव” कायमजंग,

के० सी० एस० आई०, अयोध्या-नरेश

सौरभी टीकाकार

द्विजराज-सूर्योद्भव

ब्रिटिश इंडियन असोसियेशन के यावज्जीवन सभापति,

महामहोपाध्याय महाराज सर प्रतापनारायणसिंह बहादुर,

के० सी० आई० ई०, अयोध्या-नरेश

प्रकाशिका

श्रीमती महारानी जगदम्बादेवी

राज-सदन, अयोध्या

१९९३